One-Day Demonstration Visit on Cyber Forensics Tools for Police Officers

Organized by: Cyber Forensic Research Center, Department of Computer Science & Engineering, MMMUT, Gorakhpur
In Collaboration with: Gorakhpur Zone Police, Gorakhpur

THURSDAY, 28 MAY 2026

Cybercrime and digital threats are rapidly increasing in today's technology-driven world, making cyber forensics and digital investigation essential for modern law enforcement agencies. To strengthen investigative capabilities, a special demonstration and training session was organized at the Cyber Forensics Research Centre (CFRC), Madan Mohan Malaviya University of Technology, in collaboration with CYINT Technologies and Gorakhpur Zone Police.

Participants were aware about the university Cyber Forensic Reasearch Centre and it facilities like forensic hardware systems including FRED-X 2R, UltraKit v5, and microFRED, along with advanced software tools such as MSAB XRY, Passware Kit Forensic, Forensic Explorer (FEX) v5, FTK Imager, Breadcrumbs, NetworkMiner, X1 Social Discovery, MD-VIDEO, MD-DRONE, Voice Inspector, Gargoyle, and StegoHunt, covering mobile forensics, network forensics, blockchain investigation, malware analysis, and AI-powered investigation systems.

The session was graced by **Shri Dinesh Godara (ASP)**, **Shri Upendra Kumar Singh (SI),** and **Dr**. **Rakesh Kumar (HOD, CSE),** coordinated by **Dr. B.K. Sharma** and **Dr. Vimal Kumar**, with technical sessions conducted by Mr. Naveen Singh, Technical Expert. The program successfully enhanced awareness and technical knowledge regarding advanced cyber forensic tools and their applications in law enforcement and digital security investigations.

Objectives of the Visit / Training

The main objective of visit was to facilitate and use this research centre to authenticate the legal evidence with the help of the different available software's like MSAB XRY, Passware Kit Forensic, FEX v5, FTK Imager, Breadcrumbs, NetworkMiner, X1 Social Discovery, MD-VIDEO, MD-DRONE, Voice Inspector, Gargoyle, StegoHunt, and hardware systems FRED-X 2R, UltraKit v5, and microFRED. The program aimed to enhance officers' practical understanding of digital evidence acquisition and creating report as per legal requirements for effective cybercrime investigation and digital evidence handling.

Glimpses of Cyber Forensic Tool Demonstration







Glimpses of the Cyber Awareness Program and Media Coverage

CENTRAL LIBRARY
MADAN MOHAN MALAVIYA UNIVERSITY OF TECHNOLOGY
GORAKHPUR- 273010 (U.P)

दिनांक: 29.05.2026 समाचार –पत्र : दैनिक जागरण पेज न0 : 04

बीटेक में प्रवेश को एमएमयूटी ने आमंत्रित किए आवेदन

20 जून तक अभ्यर्थियों को दिया गया आवेदन करने का मौका 24 से 27 जून तक वरीयता क्रम में करना होगा चाइस लाक

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित कर दिया है। अभ्यर्थियों को 20 जून तक पंजीकरण कराने का अवसर दिया है। बीटेक में प्रवेश को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय में इस बार अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र सत्यापन के प्रक्रिया को लेकर बदलाव किया गया है। इस बार प्रमाणपत्रों का सत्यापन 30 मई से शुरू हो जाएगा। 22 जून तक प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया जाएगा। यानी आवेदन आने के साथ ही सत्यापन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पहले व्यवस्था थी कि कटआफ सूची में नाम आने के बाद ही अभ्यर्थी काउंसिलिंग में हिस्सा लेते थे, जिसके उनके प्रमाणपत्रों का ही सत्यापन होता था।

इस बार पाठ्यक्रम के चाइस फिलिंग और चाइस लाक के नियम में भी बदलाव किया गया है। पहले अभ्यर्थी आवेदन के दौरान ही अपने पसंद के पाठ्यक्रमों को वरीयता क्रम में भरते थे। इस बार सत्यापन के बाद 24 से 27 जून तक चाइस फिलिंग और चाइस लाक करना होगा। अभ्यर्थी ने जो विषय लाक कर दिया, उपलब्धता के आधार पर वरीयता क्रम में उसी अनुसार सीट आवंटित होंगी। स्नातक प्रवेश के समन्वयक प्रो. वीके मिश्र ने बताया कि 30 जून को पहले चरण के सीट आवंटन का परिणाम घोषित किया जाएगा। कटआफ सूची में शामिल अभ्यर्थियों को 30 जून से दो जुलाई के बीच प्रोफाइल पर फीस जमा करनी होगी। तीन जुलाई को फिर सीटों का विवरण जारी किया जाएगा। दूसरे चरण की काउंसिलिंग चार जुलाई से, तीसरे की आठ और चौथे चरण की 14 जुलाई से होगी।

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पुलिस आरक्षियों को मिला फोरेंसिक प्रशिक्षण



प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुलिस आरक्षी • जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से गुरुवार को पुलिस आरक्षियों के लिए साइबर फारेंसिक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय और गोरखपुर जोन पुलिस के बीच हुए अनुबंध के क्रम में आयोजित यह कार्यक्रम दुनवारी डॉ. अनुपम चौधरी शर्मा और अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन पुलिस मुख्य अशोक जैन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत डा. विमल कुमार ने अतिथियों और प्रतिभागी पुलिस अधिकारियों के स्वागत के साथ की। इस दौरान साइबर फोरेंसिक रिसर्च सेंटर में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को मोबाइल फोरेंसिक, डीईएफ फोरेंसिक, डाटा रिकवरी, नेटवर्क फोरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य विश्लेषण से जुड़ी प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी श्री दिनेश गोदारा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में साइबर क्राइम डीसीपी सिंह मौजूद रहे। श्री गोदारा ने कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों में प्रभावी मुकदमे के लिए पुलिस बल का तकनीकी रूप से प्रशिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने डाटा रिट्रीवल विश्लेषण और डिजिटल तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। डीसीपी सिंह ने अल्ट्रा टिट्, राइट ब्लाकर, जीपीएस एक्विजिशन, साइबर सेफ पोर्टल जैसे आधुनिक टूल्स के उपयोग की जांच प्रक्रिया के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंत में डा. वीके शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए 10 प्रतिशत कोटा

दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए भी बीटेक में प्रवेश का मौका है। बीटेक में कुल 1189 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इनमें से 10 फीसदी (103 सीटें) दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।

1086 सीटें प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए है। प्रो. एसपी सिंह, चेयरमैन, प्रवेश प्रकोष्ठ, एमएमयूटी ने बताया कि बीटेक में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित कर लिए गए हैं। प्रवेश की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील है कि वह नियम व शर्तों को पढ़कर ही आनलाइन आवेदन भरमें भी ताकि किसी त्रुटि की संभावना न रह जाए।

लखनऊ। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MMMUT), गोरखपुर के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विश्वविद्यालय एवं गोरखपुर जोन पुलिस के मध्य हस्ताक्षरित एमओयू के अंतर्गत "नव नियुक्त प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों हेतु साइबर फॉरेंसिक जागरूकता कार्यक्रम (Cyber Forensics Awareness Program)" का आयोजन दिनांक 28 मई 2026 को सफलतापूर्वक किया गया। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो.अनुपमा कौशिक शर्मा तथा मुथा अशोक जैन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन पुलिस, गोरखपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. विमल कुमार द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर साइबर फॉरेंसिक रिसर्च सेंटर में उपलब्ध साइबर फॉरेंसिक टूल्स एवं तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। नवीन सिंह, साइंट टेक्नोलॉजीज़ (Cyint Technologies) द्वारा विभिन्न आधुनिक डिजिटल जांच उपकरणों, मोबाइल फॉरेंसिक, वीडियो फॉरेंसिक, डाटा रिकवरी, नेटवर्क फॉरेंसिक तथा डिजिटल एविडेंस एनालिसिस से संबंधित तकनीकों के उपयोग एवं महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर आयोजित सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश गोदारा (एएसपी) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपेन्द्र सिंह, साइबर कमांडो, गोरखपुर जोन पुलिस उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि दिनेश गोदारा ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों का तकनीकी रूप से दक्ष एवं प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मोबाइल फॉरेंसिक, वीडियो फॉरेंसिक, पासवर्ड बायपासिंग हेतु Passware, डिक्रिप्शन तकनीकों आदि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम जांच क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल हैं। विशिष्ट अतिथि उपेन्द्र सिंह, साइबर कमांडो, गोरखपुर जोन पुलिस ने अपने संबोधन में कहा कि साइबर जांच के दौरान Faraday Bags, Ultrakit, Write Blocker, Google Activity, GPS Activity आदि आधुनिक साइबर फॉरेंसिक उपकरणों के साथ-साथ सरकारी रूप से अनुमोदित एवं समर्थित टूल्स का उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। इससे जांच प्रक्रिया अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित एवं विधिसम्मत बनी रहती है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. बी. के. शर्मा द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।




GPS Map Camera
Gorakhpur,Uttar Pradesh,India
Kasya Road, Engineering College, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273010, India
Lat 26.731656, Long 83.433413
Thursday, 28/05/2026 04:40 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera


GLOBUS
GPS Map Camera
Gorakhpur,Uttar Pradesh,India
Kasya Road, Engineering College, Gorakhpur, Uttar Pradesh 273010, India
Lat 26.731743, Long 83.433618
Thursday, 28/05/2026 04:41 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera



मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पुलिस आरक्षियों को मिला फोरेंसिक प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से गुरुवार को 81 पुलिस आरक्षियों के लिए साइबर फोरेंसिक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय और गोरखपुर जोन पुलिस के बीच हुए अनुबंध के क्रम में आयोजित यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा और अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन पुलिस मुख्य अशोक जैन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत डा. विमल कुमार ने अतिथियों और प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों के स्वागत के साथ की। इस दौरान साइबर फोरेंसिक रिसर्च सेंटर में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को मोबाइल फोरेंसिक, वीडियो फोरेंसिक, डाटा रिकवरी, नेटवर्क फोरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य विश्लेषण से जुड़ी प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी श्री दिनेश गोदारा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में साइबर कमांडो उदैद सिंह मौजूद रहे। श्री गोदारा ने कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों से प्रभावी मुकाबले के लिए पुलिस बल का तकनीकी रूप से प्रशिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने कॉल डिटेल रिकॉर्ड विश्लेषण और डिजिटल तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। उदैद सिंह ने आल्ट्रा डिट, राइट ब्लाकर, जीपीएस एक्टिविटी, साइबर सेफ पोर्टल जैसे आधुनिक टूल्स के उपयोग को जांच प्रक्रिया के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंत में डा. वीरेंद्र शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पुलिस आरक्षी • जागरण